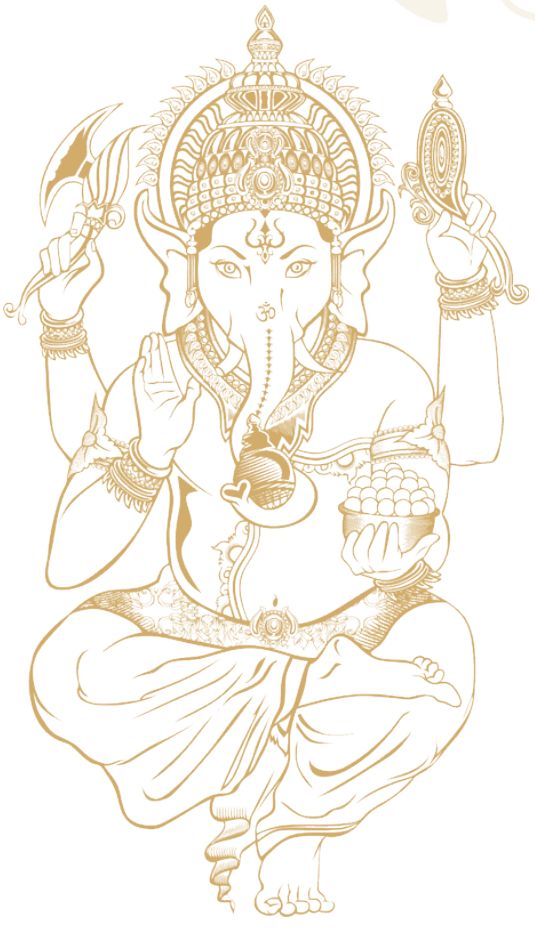

Mr.rahul

Ms.damini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636212

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/04/1994	जन्म तिथि	16-17/04/2001
सोम-मंगलवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 06:07:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 59:56:09	जन्म समय(घटी)	47:42:24 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	05:55:02
18:40:25	सूर्यास्त	18:47:22
23:46:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 10मा 15दि	19:48:10	मीन	लग्न	धनु	26:30:15	चन्द्र 5वर्ष 9मा 6दि
राहु	21:13:22	मीन	सूर्य	मेष	02:59:24	राहु
19/02/2008	14:09:56	मक	चंद्र	मक	15:38:40	22/01/2014
18/02/2026	28:38:15	कुंभ	मंगल	धनु	01:46:13	22/01/2032
राहु 01/11/2010	28:45:37	कुंभ	बुध	मीन	25:47:50	राहु 04/10/2016
गुरु 27/03/2013	18:59:53	तुला व	गुरु	वृष	16:42:06	गुरु 27/02/2019
शनि 01/02/2016	10:11:17	मेष	शुक्र व	मीन	07:48:56	शनि 03/01/2022
बुध 20/08/2018	13:58:27	कुंभ	शनि	वृष	05:38:52	बुध 23/07/2024
केतु 08/09/2019	00:49:53	वृश्चि व	राहु व	मिथु	15:32:09	केतु 10/08/2025
शुक्र 07/09/2022	00:49:53	वृष व	केतु व	धनु	15:32:09	शुक्र 10/08/2028
सूर्य 02/08/2023	02:16:59	मक	हर्ष	कुंभ	00:13:53	सूर्य 05/07/2029
चन्द्र 31/01/2025	29:27:16	धनु	नेप	मक	14:44:50	चन्द्र 04/01/2031
मंगल 18/02/2026	03:57:42	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:10:16	मंगल 22/01/2032

लग्न-चलित

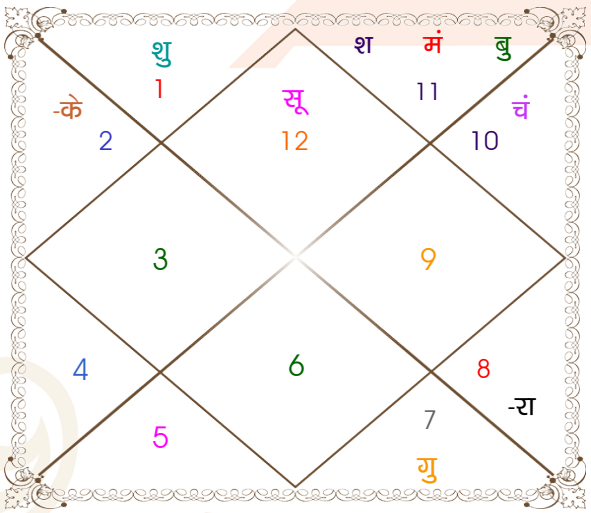

लग्न-चलित

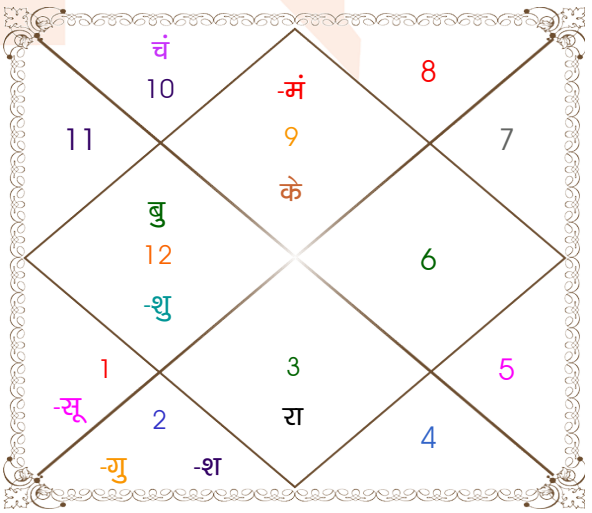

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण्तीनस का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.damini का नक्षत्र श्रवण है।

डतण्तीनस का वर्ग मार्जार है तथा Ms.damini का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस और Ms.damini का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Ms.damini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.damini कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तीनस तथा Ms.damini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।